

न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर  
पीठासीन अधिकारी-पीयूष समारिया, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या- 205/2022

जी.सी.एम.एस. पोर्टल संख्या- 2022/261

प्रार्थी  
केनरा बैंक, शाखा अजमेर रोड मेडता सिटी

बनाम

अप्रार्थी

इंसाफ पुत्र नजीर खां पता-(i) सिपाहियों का मोहल्ला, प्रिंस टॉकिज के पास, मेडता सिटी नागौर 341510 दूसरा पता-(ii) मीरा नगरी, रानी गेट के पास, मेडता सिटी नागौर- 341510

आदेश

दिनांक: 19/07/2022

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ, जो दर्ज रजिस्टर किया गया। प्रकरण में प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर बैंक की ओर से अधिकृत एम्प्लोई श्री राजेश शर्मा को सुना गया। श्री राजेश शर्मा ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थी/ऋणी को जरिये रुपये 12,70,000/- (अक्षरे बारह लाख सत्तर हजार रुपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 28.12.2018 को ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में सम्पति-रिहायशी सम्पति मीरा नगरी, रानी गेट के पास, मेडता सिटी, नागौर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्गफीट है, जो कि श्री इंसाफ पुत्र श्री नजीर खां के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं- पूर्व में- खुली भूमि, पश्चिम में- दुर्गा देवी उपाध्याय का प्लाट नं. 23, उत्तर में- आम रास्ता, दक्षिण में- 30 फीट चौड़ा रास्ता जो प्रार्थी बैंक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एवं जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये। यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदन के साथ प्रस्तुत सम्पति के दस्तावेज में उक्त सम्पति का उत्तर का पड़ौस में- आम रास्ता बताया गया है।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैंक के नियमानुसार भुगतान नहीं चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को दिनांक 04.03.2021 को एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी में रुपये 13,70,752.25/- (अक्षरे रुपये तेरह लाख सत्तर हजार सात सौ बावन एवं पैसे पच्चीस मात्र) दिनांक 03.04.2021 तक शेष देय एवं इसके आगे का ब्याज व खर्च सहित राशि का भुगतान बकाया निकलते है।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैंक ने ऋणी/अप्रार्थी को नोटिस दिनांक 26.08.2021 को जरिये रजिस्टर्ड डाक से अप्रार्थीगण को प्रेषित किये, परन्तु उक्त नोटिस प्राप्ति के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैंक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर-अन्दर ऋण राशि में रुपये 13,70,752.25/- (अक्षरे रुपये तेरह लाख सत्तर हजार सात सौ बावन एवं पैसे पच्चीस मात्र) दिनांक 03.04.2021 तक शेष देय एवं इसके आगे का ब्याज व खर्च सहित राशि का भुगतान को जमा कराना था, परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैंक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैंक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैंक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैंक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैंक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण सम्पति-रिहायशी सम्पति मीरा नगरी, रानी गेट के पास, मेडता सिटी, नागौर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्गफीट है, जो कि श्री इंसाफ पुत्र श्री नजीर खां के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं- पूर्व में- खुली भूमि, पश्चिम में- दुर्गा देवी उपाध्याय का प्लाट नं. 23, उत्तर में- आम रास्ता, दक्षिण में- 30 फीट चौड़ा रास्ता जो प्रार्थी बैंक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।



वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण  
नागौर

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैंक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैंक से रूपये 12,70,000/- (अक्षरे बारह लाख सत्तर हजार रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 28.12.2018 को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैंक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैंक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार है:- प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विक्रय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा, उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा, और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर -(क) उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमों को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय में आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानों को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध में पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं। अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष में बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व में सम्पत्ति-रिहायशी सम्पत्ति मीरा नगरी, रानी गेट के पास, मेडता सिटी, नागौर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्गफीट है, जो कि श्री इंसाफ पुत्र श्री नजीर खां के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं- पूर्व में- खुली भूमि, पश्चिम में- दुर्गा देवी उपाध्याय का प्लाट नं. 23, उत्तर में- आम रास्ता, दक्षिण में- 30 फीट चौड़ा रास्ता जो प्रार्थी बैंक के पास हाईपोथीकेंटेड है, जो प्रार्थी बैंक के हक में बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध में संबंधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपत्ति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे में हो तो उन दस्तावेजों को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।



(पीयूष समारिया)  
जिला मजिस्ट्रेट, नागौर  
जिला मजिस्ट्रेट  
नागौर